कैसे अल्पज्ञ हो गए

विश्वासपात्र बनकर,
आप राजनीतिज्ञ हो गए।
कौन सी किताब पढ़कर,
आप विज्ञ हो गए।
छलकर भावनाओं को,
कैसे अनभिज्ञ हो गए।
बुनकर एक एक शब्दों का ताना-बाना,
प्रज्ञ हो गए।
बिछाकर शतरंज, भावनाओं की,
अभिज्ञ हो गए।
सोचता हूं कैसे?
आप तज्ञ हो गए।
कर्मो की श्रंखला को भूल,
आप कैसे अज्ञ हो गए।

डॉ कंचन जैन "स्वर्णा"